उन्हें नियमित करने की कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

मध्य प्रदेश में डाकघरों को मुख्य डाकघर का दर्जा दिया जाना

248. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में किसी डाकघर को मुख्य डाकघर का दर्जा दिया जाने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) अन्य राज्यों में स्थित ऐसे डाकघरों की संख्या की तुलना में मध्य प्रदेश में मुख्य डाकघरों की संख्या कितनी है?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० बी० रंगय्या नायडू) : (क) जी नहीं।

(ख) मौजूदा विभागीय मानदंडों के अनुसार मध्य प्रदेश में किसी भी उप डाकघर का प्रधान डाकघर के रूप में दर्जा बढ़ाने का औचित्य नहीं बनता है।

(ग) मध्य प्रदेश में 52 प्रधान डाकघर हैं। अन्य राज्यों में प्रधान डाकघरों की सं० निम्नानुसार है :

1.	आंध्र प्रदेश	104
2.	असम	16
3.	बिहार	42
4.	दिल्ली	9
5.	गुजरात	42
6.	हरियाणा	15
7.	हिमाचल प्रदेश	17
8.	जम्मू और कश्मीर	9
9.	कर्नाटक	69
10.	केरल	51
11.	महाराष्ट्र (गोवा राज्य सहित)	63
12.	पूर्वोत्तर राज्य	9
13.	उड़ीसा	35
14.	पंजाब	22
15.	राजस्थान	55
16.	तमिलनाडु	93
17.	उत्तर प्रदेश	85
18.	पश्चिम बंगाल (अंडमान निकोबार द्वीप और सिक्किम राज्य सहित)	46

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव एवं मरम्मत के लिए बजट प्रावधान

249. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए चालू वित्तीय वर्ष के दौरान बजट में कितना प्रावधान रखा गया है और उनमें से अब तक कितनी धनराशि आवंटित की गई है तथा कितनी धनराशि व्यय हो चुकी है; और

(ख) क्या मध्य प्रदेश में इन राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुछ ऐसे उपमार्ग भी हैं जो निर्माणाधीन हैं और उनके लिए बजट में क्या प्रावधान रखा गया है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) 1991-92 के लिए मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के अनुरक्षण और मरम्मत के लिए अनन्तिम तौर पर 1082.32 लाख रु० का प्रावधान किया गया है। अब तक 265 लाख रु० की राशि जारी की जा चुकी है और मई, 1991 तक 262.56 लाख रु० खर्च किए जा चुके हैं।